

महाराष्ट्र राज्य व्यवसाय शिक्षण परीक्षा मंडळ, वांद्रे (पूर्व), मुंबई ४०० ०५१.

| | | | | | | | | | | | | | | |
|------------|-------------------------------|--|------------|---------------------------|--------|--------|------------|------------|------------|--------------|------|--------|--------|--------|
| १ | व्यवसाय अभ्यासक्रमाचे नांव | सी. सी. इन शिवणकाम व वस्त्रसजावट शिक्षक प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम (४१०२१०) | | | | | | | | | | | | |
| २ | तुकडी निहाय विद्यार्थी संख्या | २५ विद्यार्थी | | | | | | | | | | | | |
| ३ | अभ्यासक्रमाचा कालावधी | १ वर्ष | | | | | | | | | | | | |
| ४ | आठवड्यातील कामाचे दिवस | ६ दिवस | | | | | | | | | | | | |
| ५ | प्रकार | पूर्णवेळ | | | | | | | | | | | | |
| ६ | दिवसाचे कामाचे तास | ७ तास | | | | | | | | | | | | |
| ७ | अभ्यासक्रमासाठी आवश्यक जागा | प्रॅक्टिकल लॅब = २०० चौरस फूट वर्गखोलीकरीता = २०० चौरस फूट एकूण = ४०० चौरस फूट | | | | | | | | | | | | |
| ८ | प्रवेश अर्हता | S.S.C. Pass + मंडळाचा C.C.E.F.W.Pass | | | | | | | | | | | | |
| ९ | प्रस्तावना व उद्दिष्ट | (१) दैनंदिन घरगुती वापरातील कपडे शिलाई, भरतकाम व गृहसजावटीबाबत आवश्यक ते कौशल्य आत्मसात करणे. (२) या विषयांच्या प्रशिक्षण केंद्रात शिक्षक म्हणून अर्हता प्राप्त करणे. | | | | | | | | | | | | |
| १० | रोजगार संधी | (अ) स्वयंरोजगार :- कपडे शिलाई व भरतकामाचा स्वतःचा व्यवसाय सुरु करू शकतो. (ब) नोकरी विषयक संधी :- (१) तयार कपडयांच्या निर्यातीसाठी कारखान्यात अशा उत्पादन यंत्रावर काम करण्यासाठी कुशल कारागीर म्हणून नियुक्ती होऊ शकते. (२) प्रशिक्षण केंद्रात शिक्षक म्हणून नेमणूक होऊ शकते. दैनंदिन वापराचे कपडे शिवणे, घरगुती भरतकाम करणे, दरवाजे-खिडक्यांचे पडदे, उशांचे अभ्रे, टिकोजी, बेडशीटवरील भरतकाम यासारखे गृहसजावटीबाबत आवश्यक ते कौशल्य आत्मसात करणे. | | | | | | | | | | | | |
| ११ | शिक्षकांची शैक्षणिक अर्हता | (१) माध्यमिक शालान्त परीक्षा किंवा तत्सम परीक्षा उत्तीर्ण आणि भरतकाम व सुशोभितकाम प्रमाणपत्र परीक्षा उत्तीर्ण किंवा (२) क्रॉफ्ट टीचर्स इन निडलवर्क अॅण्ड एम्ब्रॉयडरी परीक्षा उत्तीर्ण. किंवा शिवणकाम, भरतकाम शिक्षक प्रमाणपत्र प्रथम वर्ष परीक्षा उत्तीर्ण. | | | | | | | | | | | | |
| १२ | शिक्षण पद्धती | Training System Per Week <table><tr><td>सैध्दांतिक</td><td>प्रात्यक्षिक</td><td>एकूण</td></tr><tr><td>१२ तास</td><td>३० तास</td><td>४२ तास</td></tr></table> | | | | | | | सैध्दांतिक | प्रात्यक्षिक | एकूण | १२ तास | ३० तास | ४२ तास |
| सैध्दांतिक | प्रात्यक्षिक | एकूण | | | | | | | | | | | | |
| १२ तास | ३० तास | ४२ तास | | | | | | | | | | | | |
| | परीक्षा पद्धती | Sr. No. | Paper Code | Name of Subject | TH/PR | Hours | Max. Marks | Min. Marks | | | | | | |
| | | 1 | 41021011 | Education Psychology | TH-I | 3 hrs. | 100 | 35 | | | | | | |
| | | 2 | 41021012 | Cutting & Sewing | TH-II | 3 hrs. | 100 | 35 | | | | | | |
| | | 3 | 41021013 | Fashion Reading | TH-III | 3 hrs. | 100 | 35 | | | | | | |
| | | 4 | 41021021 | Lesson Plan | PR-I | 3 hrs. | 100 | 50 | | | | | | |
| | | 5 | 41021022 | Garment Making | PR-II | 3 hrs. | 100 | 50 | | | | | | |
| | | 6 | 41021023 | Hand & Machine Embroidery | PR-III | 3 hrs. | 100 | 50 | | | | | | |
| | | | | Total Marks | | | 600 | 255 | | | | | | |

Theory - I - Education Psychology

शैक्षणिक मानसशास्त्रीय सिद्धान्त व अध्यापनाची व मूल्यमापनाची मूलतत्वे :--

| | | |
|-----|--|---|
| १. | शैक्षणिक मानसशास्त्रीय सिद्धान्त | -- शैक्षणिक मानसशास्त्राचे स्वरूप व आवश्यकता. |
| २. | विकासाच्या अवस्था | -- शारीरिक विकास, मानसिक विकास, सामाजिक विकास, महत्व. |
| ३. | सहजप्रवृत्ती | -- प्रमुख १४ व्याख्या, वैशिष्ट्ये, उपयोजन, उदात्तीकरण. |
| ४. | अध्ययन प्रक्रिया | -- व्याख्या, स्वरूप, अध्ययन पद्धती, शॉनडाईकचे नियम, अभिसंधीत पद्धती, मर्मदृष्टी मुलक, अध्ययन वक्र, पठारावस्था, अनुकरण पद्धती व महत्व. |
| ५. | अध्ययनावर परिणाम करणारे घटक | -- शारीरिक व मानसिक पक्वता, प्रेरणा, स्तुती व शब्दप्रहार, शिक्षा, बक्षिसे, यश, अपयश, निश्चित व स्पष्ट अभ्यासक्रम, स्वयंप्रेरणा, तीव्र इच्छा, आदर्श, अवधान, अभिरुची, अवधानाचे प्रकार, बाह्य व आंतरिक घटक, कंटाळा, थकवा, प्रकार, उपाय. |
| ६. | स्मरण व विस्मरण | -- व्याख्या, ग्रहण व धारणा, प्रत्यावाहन, प्रत्याभिज्ञान कारणे व सुधारणा. |
| ७. | बुद्धी व बुद्धीमापन | -- बुद्धीचे स्वरूप, बुद्धिमापनाचे प्रकार, परिणाम, मानसिक वय वर्गवारी, शैक्षणिक महत्व (बिने व सायमन). |
| ८. | प्रतिमा | -- प्रकार, कल्पना विचार प्रक्रिया घटक व महत्व. |
| ९. | व्यक्तिगत भिन्नता | -- स्वरूप, व्यपत्ती, भेदाची कारणे. |
| १०. | सवय व कौशल्य | -- चारित्र्य, शिस्त, सवयीचे फायदे, तोटे. |
| ११. | हस्तव्यवसायाच्या शिक्षणाची उद्दिष्टे | |
| १२. | शिकविण्याच्या सर्वसाधारण पद्धती | -- बालोज्ञान, मॉन्टेसरी, डाल्टन पद्धती, प्रकल्प, कार्यानुभव, सर्वांगीण विकास. |
| १३. | मूल्यमापनाची प्रमुख साधने | -- मूल्यमापन म्हणजे काय, प्रकार, परीक्षा, आवश्यकता व सुधारणा. |
| १४. | शिक्षणामध्ये घर, शाळा व समाज यांचे स्थान व महत्व | |
| १५. | शालेय रजिस्टर्स व दफ्तर | -- विद्यार्थ्यांबाबत नोंदी, शिक्षकांसंबंधी नोंदी, शालेय व्यवहार. |
| १६. | वेळापत्रक | -- विद्यार्थी-पालक यांचे संबंध. |
| १७. | शालेय आरोग्य | -- इमारत, पिण्याचे पाणी, वैयक्तिक तपासणी. |
| १८. | शैक्षणिक साधने | -- (हस्तव्यवसायाच्या दृष्टीकोनातून) परिचय, उपयोग, प्रकार, हक्क, श्राव्य, फळा, खडू, चार्ट, सॅम्पल्स, वस्तुसंग्रहालय, प्रदर्शन, सहल, स्नेहसंमेलन, स्पर्धा, पाठाच्या वहया, पाठ निरीक्षणे, फॅशन बुक्स, पाट, कात्री, सुई, व्हिडीयो फिल्म, प्रश्न, वाचनालय. |

Theory - II - Cutting & Sewing

| | |
|----|--|
| १. | शिवणकामास लागणा-या साहित्याची माहिती व उपयोग -- विविध प्रकारच्या कात्र्या, टाचण्या, बेतचाक, शिंप्याचा खडू, पेन्सिल, सुया, अंगुस्तान, आकृति बोर्ड, बाही फळा, शिवण दोरे, रेशमी दोरे, इस्त्री, शिंप्याचा काटकोन, फ्रेंच कर्व्ह इत्यादी. |
| २. | शिवणयंत्राची माहिती व निगा -- शिवण यंत्राच्या निरनिराळ्या भागांचे उपयोग, विशिष्ट कामासाठी करावयाचे बदल, निरनिराळ्या प्रकारच्या कामासाठी शिवणयंत्राच्या उपकरणांची माहिती व कापडानुसार दाब, ताण, टाके यांची व्यवस्था. |
| ३. | निरनिराळ्या शिवणीची माहिती (सीम) -- उदाहरणार्थ साधी शिवण, तुरपाईची शिवण, गोप टाक्यांची शिवण, सपाट शिवण इत्यादी. |

| | |
|-----|---|
| ४. | शिवणकामात उपयोगात येणा-या मुलभूत टाक्यांची माहिती व अभ्यास -- उदाहरणार्थ सरळ टाके, धाव टाके, तुरपाईचे टाके, बुडते टाके, जाळीचे टाके, तिरपे टाके इत्यादी. |
| ५. | कपडे दुरुस्तीची माहिती -- ठिगळ जोडणे, रफू करणे, डाग काढणे, जुन्यातून नवीन करणे. |
| ६. | गळ, फास (हुक, आय) लावण्याची व निरनिराळ्या प्रकारच्या बटणांची माहिती -- शो-बटणे, काज, फास बनविणे, कलाबूत व अंतर्गत पट्ट्या जोडणे, फिती व काठपट्ट्या लावणे. |
| ७. | कपडे सुंदर दिसण्यासाठी नेहमी वापरण्यात येणारे शोभेचे टाके -- उदाहरणार्थ साखळीचे टाके, पिसाचे टाके, जाळीचे टाके, गव्हाचे टाके. |
| ८. | वेगवेगळ्या प्रकारच्या चुणी -- (१) जिरावाची चुण (गॅदरींग), (२) जाळीची चुण, (३) मधपोळ्याची चुण (हॅनीकोम), (४) दुमडीची चुण (टक्स), (५) घडीची चुण (प्लेटींग), (६) झालरीची चुण (फ्रिलींग) इत्यादी. |
| ९. | मापे घेण्याच्या निरनिराळ्या पध्दती व त्यांचा उपयोग -- निरनिराळ्या कपड्यांसाठी लागणा-या मापांची माहिती. |
| १०. | निरनिराळ्या कपड्यांसाठी कागदी नमुने कापणे व कापडाची काटकसर होईल अशा पध्दतीने ते नमुने कापडावर व्यवस्थित मांडणे (ले-आऊट). |

Theory - III - Fashion Reading

फॅशन चित्राचे वाचन -- एखादे चित्र (फॅशन) दिले असता त्या चित्रावरून तो कोणत्या फॅशनचा कपडा आहे, ती कशाची आकृती आहे, वैशिष्ट्ये, रचना, आराखडा कसा तयार करता येईल यालाच फॅशनचे वाचन असे म्हणतात. यात खालील मुद्दे असावे :--

- (१) कपडा (फॅशन) ओळखणे.
- (२) चित्रावरून वय ठरविणे.
- (३) फॅशन ओळखणे.
- (४) कापडाचा प्रकार ओळखणे.
- (५) वयावरून मापे ठरविणे.
- (६) आकृती तयार करणे.
- (७) फॅशन प्रमाणे पॅटर्न कापणे. (वेगळ्या कागदावर)
- (८) आकृतीला आवश्यक तेथे शिलाई माया दाखविणे.
- (९) कपडा सुशोभित करण्याकरीता इतर साहित्य ओळखणे.

अशी १५ फॅशन चित्रे व त्यांचे वाचन आकृती वहीच्या शेवटच्या १५ पानात करावे. (वार्षिक परीक्षेत याची तपासणी केली जाईल.)

Practical - I - Lesson Plan

प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षकाने वर्गपाठ घेण्यासाठी साधारण १० चार्टस् करावेत.

- (१) प्रत्येक शिक्षक विद्यार्थ्याला फळ्याचा उपयोग सुस्पष्ट व ठळक अक्षरे व सचित्र माहिती याकरीता सफाईने करता आला पाहिजे.
- अध्यापनशास्त्र -- हे प्रत्येक विद्यार्थी शिक्षकाने १० पाठ सरकारमान्य--
- (१) शिवणकाम व भरतकाम वर्गावर घ्यावे.
- (२) प्रत्येक पाठ ३५ ते ४५ मिनीटाचा असावा.
- (३) विद्यार्थी शिक्षकाने १० पाठांची टाचणाची वही करावी. त्यात ४ शिवणकाम आकृत्या, २ भरतकाम, २ फॅन्सी वर्क, २ थिअरी भरतकाम व शिवणकाम.
- (४) विद्यार्थी शिक्षकाने ६ पाठांची निरीक्षण वही करावी.
- (५) परीक्षेसाठी वर्षभरात घेतलेले १० पाठांव्यतिरिक्त दोन पाठ निवडावे.
- (६) सदर दोन्ही वहया (बोर्डांने नेमलेल्या) परीक्षकासाठी मूल्यमापनासाठी सादर कराव्या.
- (७) हे दोन अध्यापन पाठ ३५ ते ४५ मिनिटेच असावे.
- (८) हया पाठांचे निरीक्षण बाह्य परीक्षकच करतील.
- (९) परीक्षकाच्या मते पहिला पाठ योग्य न झाल्यास दुसरा पाठ घेण्यास ते सांगतील.

Practical - II - Garment Making

शिवणकाम प्रात्यक्षिक व कागदी नमुने

खाली दिलेल्या कपड्यांच्या आकृत्या काढणे, कागदी नमुने कापणे व कापड कापून, शिवून पूर्ण करणे. शक्यतो फॅशनसहित लेस, पायपिंग, शो-बटन्स, फ्रिल यांचा वापर करून.

| | |
|-----|--|
| १. | नाडीचे झबले. |
| २. | बॉनेट. |
| ३. | बिन पायाची चड्डी. |
| ४. | घट्ट चड्डी. |
| ५. | साधी चड्डी. |
| ६. | फ्रॉकच्या आतील चुणीचा पेटीकोट. |
| ७. | बेबीफ्रॉक (योकचा) |
| ८. | फ्रॉक्स (चुणीचा) |
| ९. | प्लेटीचा स्कर्ट (प्रकार) |
| १०. | स्कर्टवरील ब्लाऊज (माग्यार व बाहीचा) |
| ११. | चोळी फॅशन ब्लाऊज. |
| १२. | कटोरी ब्लाऊज. |
| १३. | साडी पेटीकोट (सहा तुकडी) |
| १४. | पंजाबी ड्रेस (सलवार, कमिज) |
| १५. | गाऊन स्त्रियांचा (वनपीस) |
| १६. | नेहरु शर्ट. |
| १७. | हाफ शर्ट, फुल ओपन व ओपन कॉलरसहीत. |
| १८. | मनिला शर्ट (पूर्ण बाही व शेक्सपीअर कॉलर) |
| १९. | नाडी-बटन पायजमा. |
| २०. | हाप पॅन्ट (प्लेटी, बेल्टसहीत). |
| २१. | फुल पॅन्ट (प्लेटी, बेल्टसहीत). |

Practical - III - Hand & Machine Embroidery

हाती भरतकाम प्रात्यक्षिक

१. सर्टिफिकेट कोर्स इन एम्ब्रॉयडरी व फॅन्सी वर्क ह्या अभ्यासक्रमातील प्रात्यक्षिके.
२. कुशन कव्हर व हातरुमाल तयार करणे.
३. हातरुमाल.

मशीन (शिवणयंत्र) वरील भरतकाम (प्रात्यक्षिक)

भरतकाम, सुशोभितकाम प्रमाणपत्र अभ्यासक्रमातील उजळणी --

१. टेबल क्लॉथ, निरनिराळे टाके वापरून.
२. उशीचा अर्भ्रा, निरनिराळे टाके वापरून.

सुशोभितकाम (प्रात्यक्षिक) तयार करणे व शिकविणे

| | |
|----|---|
| १. | निडल केस, निरनिराळ्या प्रकारच्या. |
| २. | बटवा किंवा पर्स, टिकल्या, मणी, मोती, आरश्यासहित. |
| ३. | दोन सुया, तसेच चार सुयावरील मोजे, बॉनेट, स्वेटर. |
| ४. | क्रोशाचे काम -- लेस, डायली, गोल, चौकोनी व कॉर्नरसहित. |
| ५. | टँटीन काम -- दोन शटलचे काम, लेस, डायली व कॉर्नरसहित. |

प्रस्तुत अभ्यासक्रमास लागणारे साहित्य.

| अ. क्र. | तपशील | | नग | (संख्या) |
|---------|--|----|----|----------|
| १. | शिवण यंत्रे | .. | .. | ६ नग |
| २. | स्टुले | .. | .. | ६ नग |
| ३. | कात्र्या | .. | .. | २ नग |
| ४. | विजार पट्टी | .. | .. | १ नग |
| ५. | बनात घातलेली आकृती टेबले (१२० X ७५ X ९० सें.मी.) | .. | .. | २ नग |
| ६. | कर्तन टेबल (१२० X ७५ X ९० सें.मी.) | .. | .. | १ नग |
| ७. | इस्त्री | .. | .. | १ नग |
| ८. | ब्रश | .. | .. | ४ नग |
| ९. | आरसा (९० सें.मी. X ३० सें.मी.) | .. | .. | १ नग |
| १०. | नागमोडी कात्री | .. | .. | १ नग |
| ११. | वाकड्या टोकाच्या कात्र्या | .. | .. | २ नग |
| १२. | पुस्तके व चार्ट | .. | .. | |
| १३. | फळा (१२० सें.मी. X ९० सें.मी.) | .. | .. | १ नग |
| १४. | मेजर टेप | .. | .. | १ नग |
| १५. | शिक्षकांकरीता टेबल व खुर्ची | .. | .. | १ नग |

अभ्यासक्रमास लागणारी संदर्भ पुस्तके.

| | |
|------|---|
| (१) | शास्त्रोक्त शिवणकला, भाग १ ते ४ |
| | लेखक -- श्री. कृ. ग. हेगडे. |
| (२) | शास्त्रोक्त शिवणकला मार्गदर्शन |
| | लेखक -- श्री. म. गो. जुमळे. |
| (३) | व्यवसायिक शिवण-कर्तनकला व अध्यापनशास्त्र |
| | लेखक -- श्री. रा. के. व्यवहारे, (मराठी, हिंदी). |
| (४) | सुबोध शिवणकला |
| | लेखक -- श्री. प्र. ल. नंद, पुणे. |
| (५) | सुशोभित भरतकाम |
| | लेखक -- सौ. रवळगांवकर. |
| (६) | आधुनिक भरतकला |
| | लेखक -- सौ.प्रभावती पुरम. |
| (७) | शैक्षणिक व प्राथमिक मानसशास्त्र |
| | लेखक -- श्री. बा. ना. दांडेकर. |
| (८) | मानसशास्त्राची मूलतत्वे |
| | लेखक -- श्री. र. वी. पंडीत. |
| (९) | शैक्षणिक मानसशास्त्र |
| | लेखक -- श्री. रा. म. मराठे. |
| (१०) | शिक्षणाचे तात्त्विक व सामाजिक स्वरूप |
| | लेखक -- श्री. ग. वि. आकोलकर. |